



Report Web Dialogue

“Online Education during COVID-19: Challenges & Opportunities”

Saturday, 4th July, 2020 at 10.30 a.m

The Covid-19 pandemic has had diverse consequences on education. What exactly are the challenges and opportunities unfold today before us is not only a problem for India but world over it has its impact. The COVID-19 has resulted in schools shut all across the world. Globally, over 1.2 billion children are out of the classroom. Needless to say, the pandemic has transformed the centuries-old, chalk-talk teaching model to one driven by technology. The biggest change that the education system globally has seen this year is the massive shift to e-learning or digital classrooms.

Online education, a result of the digital world has brought a lot to the learning table at all levels of education, beginning from preschool up to higher level institutions. The move to remote learning has been enabled by several online tech stack such as Google Classroom, Blackboard, Zoom and Microsoft Teams, all of which play an important role in this transformation. With the development of ICT in education, online video-based micro-courses, e-books, simulations, models, graphics, animations, quizzes, games, and e-notes are making learning more accessible, engaging, and contextualized. This of course provides opportunities for a new narrative in the field of education.

Given such a situation it is important to look at the impact and reflect on what has transpired and what is likely to happen as we move forward in the field of global education.

In this backdrop, R P Education Society & SAHYOG (Civil Society Organizations working in development sector since 2007) organized a Web-Dialogue on “**Online Education during COVID-19: Challenges & Opportunities**” on 4th July, 2020 at 10.30 a.m.

Programme Schedule

10.30 am to 10.35 am	Introductory Remark	Dr. Satish Kundu Director RPES
	Chairperson	Dr. Jitender Parsad , Former Professor of Sociology, MDU
10.35 am to 10.50 am	Educationist View Point	Dr. Hemant Lata Sharma Former Professor, Deptt. of Education, MDU
10.45 am to 11.00 am	Psychologist View Point	Dr. Sonia Malik Professor & Head, Deptt. of Psychology, MDU Director Campus School MDU
11.00 am to 11.45 am	Teachers-Parents Perspective	Dr. Ashish Dahiya Prof. & Head IHTM Sh. Jaipal Dahiya Principal, DS Model Sanskriti Sen. Sec. School, Sanghi

		Ms. Sunita Kundu Director Cross & Climb
11.45 am to 12.30 pm	Question Answer Session Summing up	Dr. Jitender Parsad , Former Professor of Sociology, MDU
12.30 pm-12.35 pm	Vote of Thanks	Mr. Sunil Tomar Head (Projects) RPES

Schedule was followed as planned and deliberations held are as under:

आर पी एजुकेशन सोसायटी रोहतक और सहयोग संस्था गढ़ी सांपला के संयुक्त तत्वाधान में 'कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन एजुकेशन : चुनौतियाँ एवम् अवसर' विषय पर वेबिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया सभी विशेषज्ञों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए आर पी एजुकेशन सोसायटी के निदेशक डॉ सतीश कुंडू ने विषय को आंकड़ों सहित प्रस्तुति के साथ कंप्यूटर उपलब्धता इन्टरनेट कनेक्टिविटी व बिजली आपूर्ति आदि को रेखांकित किया



वेबिनार की अध्यक्षता करते हुए समाजशास्त्र के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ जितेंद्र प्रसाद ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न विशेषज्ञों – शिक्षा, मनोविज्ञान, अध्यापक, अभिभावक व छात्र पक्ष रखने के लिए आमन्त्रित किया रिटायर्ड **प्रोफेसर हेमंत लता शर्मा** ने अपने वक्तव्य

में कहा कि लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन एजुकेशन के कारण हर घर ने कक्षा का रूप ले लिया है तथा बच्चों ने घर पर रहकर ही अपनी पढ़ाई जारी रखी हुई है साथ ही प्रोफेसर शर्मा ने कहा कि हमें ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन एजुकेशन का समन्वय करके ही आगे बढ़ना होगा



डॉ सोनिया मलिक विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक ने मुख्य तौर पर बच्चों



की समस्याओं, काउंसलिंग, मानसिक स्वास्थ्य, रूचि पैदा करने आदि विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला व अभिभावकों तथा छात्रों से आह्वान किया कि वे ये गुणवत्तापरक समय अच्छे से बिताये जुड़कर रहें व हम सब मिलकर ही इस समस्या से निजात पा सकते हैं उन्होंने विभाग द्वारा शुरू की गयी टेलीकाउंसलिंग सुविधा के बारे में विस्तार से बताया

प्रोफेसर आशीष दहिया होटल टूरिज्म प्रबंधन संस्थान महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक ने कोविड -19 का परिणाम दायरा रहित शिक्षा का प्रचलन बताया उन्होंने शिक्षाविदों व अध्यापकों को भी तकनीक से जुड़ने का आह्वान किया तथा ऑनलाइन एजुकेशन को अपनी शिक्षण प्रणाली का हिस्सा बनाने पर जोर दिया और विभिन्न मंचों पर ऑनलाइन एजुकेशन की सार्थकता को सुदृढ़ करने को रेखांकित किया प्रोफेसर दहिया ने ऑनलाइन एजुकेशन के लिए रेगुलेटरी बॉडी बनाने की ज़रूरत पर बल दिया



इसी कड़ी में मॉडल संस्कृति स्कूल साधी के प्राचार्य जयपाल दहिया ने अपने उद्बोधन में सरकारी स्कूलों में वैकल्पिक साधनों के द्वारा कैसे गाँव के बच्चों को इस प्रकार शिक्षण विधि से जोड़ा जा रहा है, पर ध्यानाकर्षण किया पाठ्यक्रमों को अभिनव तरीके से प्रस्तुत करके कुछ अध्यापक बहुत ही सराहनीय कार्य कर रहे हैं उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में ऐसे अनुभवों का लाभ अन्य स्थानों पर भी लिया जा सकेगा ताकि पढ़ाई को रुचिकर बनाया जा सके



क्रॉस एंड क्लाइंब की निदेशक व गत 20 वर्षों से अध्यापन क्षेत्र से जुडी सुनीता कुंडू ने ऑनलाइन एजुकेशन से जुडी चुनौतियों को अवसर के रूप में लेने पर बल दिया सुनीता ने अपना अनुभव साझा करते हुए उनके संस्थान के एक मेधावी छात्र का लिखित परीक्षा में सफल होने के बावजूद ऑनलाइन की अनभिज्ञता के चलते ऑनलाइन साक्षात्कार में अनुत्तीर्ण होने के सबक को सुनहरे अवसर में ऑनलाइन एजुकेशन का ज्ञान होना, की संज्ञा दी



वेबिनार में कुल 96 प्रतिभागी जिनमें मुख्यतः अभिभावक, अध्यापक, छात्र, सामाजिक कार्यकर्ता डॉ सत्यपाल खोखर, बल्ले राम, सरपंच सुशील, श्रीभगवान पहल, सुमन, दादरी से रामचंद्र पुनिया, लन्दन से शोधार्थी उमंग, अमृतसर से काउंसिलर नेहा, बलविंदरकौर, ज्योति, प्रवीन, नीरज दहिया, सत्येंद्र मान, विकास त्रिवेदी, गौरव व अन्य प्रबुद्धजन रहे



सभी विशेषज्ञों के व्याख्यान के उपरांत प्रश्नोत्तर काल काफी अच्छा रहा तथा उसमें भी अध्यापकों के साथ -2 अभिभावकों की भी ऑनलाइन एजुकेशन के दौरान भूमिका पर जिम्मेवारी की चर्चा सुर्खियों में रही वरिष्ठ प्रोफेसर जितेंद्र प्रसाद ने अपने अध्यक्ष भाषण को सार रूप देते हुए कोविड-19 के दौरान



ऑनलाइन एजुकेशन को ही शिक्षा जारी रखने का एकमात्र विकल्प बताया

वेबिनार के समापन से पहले संस्था के परियोजना प्रमुख सुनील कुमार तोमर ने सभी आमंत्रित विशेषज्ञों, अध्यापक, छात्र व अभिभावकों का धन्यवाद किया व वेबिनार के सफल आयोजन के लिए आर पी एजुकेशन सोसायटी, सहयोग व

क्रॉस एंड क्लाइंब टीम के प्रति अपना आभार प्रकट किया

#@#@#@

ऑनलाइन वैबिनार में विशेषज्ञों ने रखे विचार



रोहतक, 4 जुलाई (स.ह.): आर.पी. एजुकेशन सोसायटी और सहयोग संस्था गढ़ी सांपला के संयुक्त तत्वावधान में कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन शिक्षा, चुनौतियां एवं अवसर विषय पर वैबिनार का आयोजन किया गया। सभी विशेषज्ञों व प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए आर.पी. एजुकेशन सोसायटी के निदेशक डा. सतीश कुंडू ने विषय को आंकड़ों सहित प्रस्तुत करते हुए कम्प्यूटर उपलब्धता, इंटरनेट जुड़ाव व बिजली आपूर्ति को रेखांकित किया।

वैबिनार की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ समाजशास्त्र के प्रो. जितेंद्र प्रसाद ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न विशेषज्ञों, शिक्षा, मनोविज्ञान, अध्यापक, अभिभावक व छात्र पक्ष रखने के लिए आमंत्रित किया। रिटायर प्रो. हेमंत लता शर्मा ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन पढ़ाई के कारण हर घर ने कक्षा का रूप ले लिया है। बच्चों ने घर पर रहकर ही अपनी पढ़ाई जारी रखी हुई है। हमें ऑनलाइन व ऑफलाइन शिक्षा के साथ ही आगे बढ़ना होगा। डा. सोनिया मलिक ने बच्चों की समस्याओं, काउंसलिंग, मानसिक स्वास्थ्य रूचि पैदा करने विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. आशीष दहिया ने शिक्षाविद व अध्यापकों को तकनीक से जुड़ने का आह्वान किया और ऑनलाइन शिक्षा को अपनी शिक्षण प्रणाली का हिस्सा बनाने पर जोर दिया।

पंजाब केसरी Sun, 05 July 2020
ई-पेपर Edition: rohtak kesari, Page no. 2

हरिभूमि

रोहतक - रोहतक
5 July 2020

कॉलेज का चपरासी पॉजिटिव जांच करने की तैयारी है। रहा था। पिछले दिनों उसे कोरोना मिले हैं, र

आरपी एजुकेशन सोसायटी ने वैबिनार का किया आयोजन

बच्चों की समस्याओं काउंसलिंग, मानसिक, स्वास्थ्य आदि विषयों पर प्रकाश डाला

रोहतक। आरपी एजुकेशन सोसायटी और सहयोग संस्था गढ़ी सांपला के द्वारा कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन शिक्षा, चुनौतियां एवं अवसर पर वैबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आरपी एजुकेशन सोसायटी के निदेशक डॉ. सतीश कुंडू ने किया। वरिष्ठ समाजशास्त्र के प्रोफेसर जितेंद्र प्रसाद ने विभिन्न विशेषज्ञों शिक्षा, मनोविज्ञान, अध्यापक, अभिभावक व छात्र पक्ष रखने के लिए आमंत्रित किया। रिटायर्ड प्रोफेसर हेमंत लता शर्मा ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन पढ़ाई के कारण हर घर में कक्षा का रूप ले लिया है। डॉ. सोनिया मलिक ने बच्चों की



समस्याओं काउंसलिंग, मानसिक, स्वास्थ्य आदि विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस मौके पर सत्यपाल, बल्लराम, सरपंच सुशील कुमार, सुमन, श्री भगवान, बलविंद्र, रामचंद्र पुनिया, नौरज दहिया, सत्येंद्रमान, विकास आदि मौजूद रहे।

अस्पताल शव बहादुरगढ़ कोई अज्ञात शव छोड़ नहीं हो अस्पताल अता पता ने मामले घटना श नागरिक बेसुध डॉक्टरों ने मौत महिला का कर गया, लाइनपार लाइनपार सूचना मि पहुंची औ

नीत लोगों ने त्रिगार्शी तितम् पार तत्हीं प

आरपी एजुकेशन सोसायटी एवं सहयोग संस्था गढ़ी सांपला ने कराया वेबिनार अब ऑनलाइन व ऑफलाइन शिक्षा के साथ ही आगे बढ़ना होगा : हेमंत लता

लॉकडाउन में ऑनलाइन पढ़ाई के कारण हर घर ने कक्षा का रूप ले लिया है। विद्यार्थियों ने भी घर पर रहकर ही अपनी पढ़ाई को जारी रखा हुआ है। कोविड-19 कब खत्म होगा, इस बारे में किसी को कुछ पता नहीं है। समय ऐसा है कि अब ऑनलाइन व ऑफलाइन शिक्षा के साथ ही आगे बढ़ना होगा। यह कहना है रिटायर्ड प्रो. हेमंत लता शर्मा का। वह शनिवार को आरपी एजुकेशन सोसायटी एवं सहयोग संस्था गढ़ी सांपला की ओर से हुए वेबिनार में बोले रही थी। इस वेबिनार का विषय था कोविड-19 में ऑनलाइन शिक्षा चुनौतियां व अवसर। इसमें करीब 96 प्रतिभागियों ने अपने विचार रखे। एमडीयू के मनोविज्ञान की प्रोफेसर डॉ. सोनिया मलिक ने कहा कि यह समय अभिभावकों और विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए एक-दूसरे के साथ अच्छा समय बिताएं। हम सब मिलकर रहेंगे तो इस समस्या का हल भी निकाल लेंगे। वहीं, एमडीयू के होटल मैनेजमेंट के प्रो. आशीष दहिया ने कहा कि आज के समय में ऑनलाइन शिक्षा हमारी शिक्षण प्रणाली का एक हिस्सा बन गया है। शिक्षा हमेशा से ही एक दायरे में नहीं रही है और यह अब साबित भी हो गया है। इसी कड़ी में सभी स्थित मॉडल संस्कृत



स्कूल के प्राचार्य जयपाल दहिया ने कहा कि सरकारी स्कूलों में वैकल्पिक साधनों से ही गवों के बच्चों तक शिक्षा पहुंचाई जा रही है और इसके परिणाम भी बेहतर आ रहे हैं। क्रॉस एंड बसाइव की निदेशक सुनीता कुंडू ने कहा कि ऑनलाइन शिक्षा अब जरूरत बन गया है और हम सभी को इस नई पद्धति को अपनी आदत में लाना चाहिए। इस अवसर पर आरपी एजुकेशन सोसायटी के निदेशक डॉ. सतीश कुंडू, सत्यपाल, सुमन, श्री भगवान, प्रो. जितेंद्र प्रसाद, ज्योति, नौरज दहिया, सत्येंद्र मान, सरपंच सुशील, रामचंद्र पुनिया, विकास मौजूद रहे।

दैनिक जागरण
हिंसार, 5 जुलाई, 2020
www.jagran.com

पर्यावरण संरक्षण

लॉकडाउन के कारण हर घर ने लिया कक्षा का रूप : हेमंतलता

रोहतक : आरपी एजुकेशन सोसायटी रोहतक व सहयोग संस्था गढ़ी सांपला की ओर से कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन शिक्षा चुनौतियां एवं अवसर विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। सोसायटी के निदेशक डा. सतीश कुंडू ने कोरोना काल में कंप्यूटर उपलब्धता व बिजली आपूर्ति के महत्व पर जानकारी दी। वेबिनार की अध्यक्षता प्रो. जितेंद्र प्रसाद ने की। रिटायर्ड प्रो. हेमंतलता शर्मा ने कहा लॉकडाउन में हर घर ने कक्षा का रूप ले लिया है। विद्यार्थी घर में रहकर ही अपनी पढ़ाई जारी रख रहे हैं। (जाग)

को रियों के तफ्ती खेल गिन्त है, सरल श्मो

द्वार्थ धार भाई की गुरु कार संघ वीर

केंद्र की। 11ओं दला पक दीप

सोप प्रो. कि (रा प्रो. आइ दिल ये 3 ऑ- गई। विं प्रो. ऑ- हुए। युर्स ने ति